स्कूल का नाम-शा.प्रा.शाला मोरतलाई

विकासखण्ड खिरकिया,जिला-हरदा

संकुल केन्द्र

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पीपल्या

विकासखण्ड खिरकिया,जिला-हरदा (म.प्र.)

सफलता की कहानी

सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें सब बढ़ें

शिक्षा का बदलता परिदृश्य

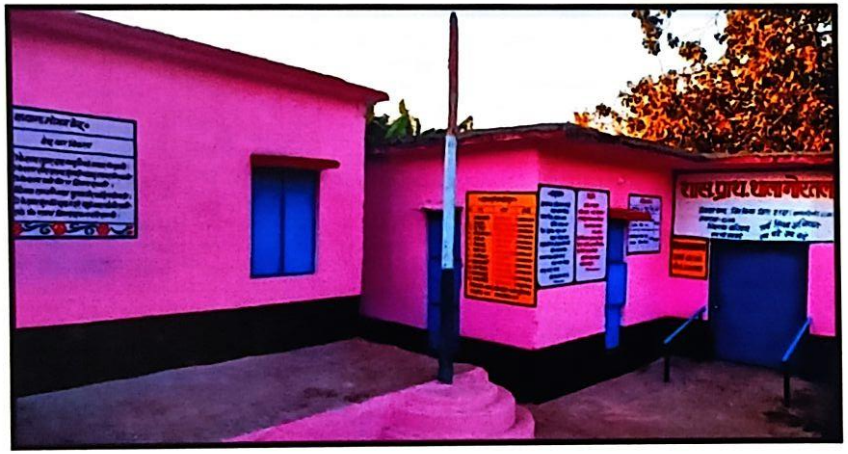

स्कूल का नाम-शा.प्रा.शाला मोरतलाई

विकासखण्ड खिरकिया,जिला-हरदा

शाला डाईस कोड

23360312701

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

कहानी का नाम – शिक्षा का बदलता परिदृश्य

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

* स्कूल का नाम :- शा.प्रा.शाला मोरतलाई विकासखण्ड खिरकिया,जिला-हरदा
* संकुल केन्द्र :- शास. उच्चतर मा.विद्यालय,पीपल्या
* प्रधान पाठक का नाम :- श्री रामनिवास मंडलेकर
* रचनाकार :- श्री रामभरोस उईके
* डाईस कोड :- 23603127O1
* जिला : - हरदा
* विकास खण्ड :- खिरकिया
* संकुल :- पीपल्या
* राज्य का नाम :- मध्यप्रदेश
* संपर्क नंबर :- 8120996986,8878403303

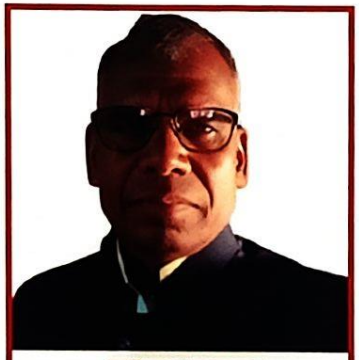

प्रधान पाठक
श्री रामनिवास मडलेकर

प्राथमिक शिक्षक
श्री रामभरोस उईके

*** लक्ष्य ***

सतत प्रयासो से विद्यार्थियों का सर्वांगीयण विकास करना एवं वनांचल के जीवन को आधुनिक युग से जोडना

शाला स्तर पर शैक्षणिक गतिविधियॉ

* शाला में प्रतिदिन प्रार्थना सभा के अंतर्गत विद्यार्थियों के द्वारा सुविचार एवं कहानियॉ सुनाई जाती है।
* शाला में शिक्षको द्वारा कक्षा पहली से पांचवी तक दक्षता लाने का प्रयास किया जाता है।
* योग,प्रणायाम एवं खेल गतिविधियॉ कराई जाती है।
* शाला में स्मार्ट टीवी के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षण गतिविधि कराई जाती है।
* पालको के संपर्क कर उन्हे प्रोत्साहित किया जाता है।

विद्यालय की स्थिति

वनांचल में बसा विद्यालय शासकीय प्राथमिक शाला मोरतलाई जो कि विकासखंड खिरकिया जिला हरदा म.प्र. के अंतर्गत आता है, विद्यालय के आसपास का वातावरण प्राकृतिक सौदर्य से परिपूर्ण है। यहॉ के शिक्षको बच्चो व पालको के लगातार प्रयासो से स्कूल प्रगति के रास्ते पर अग्रसर है।

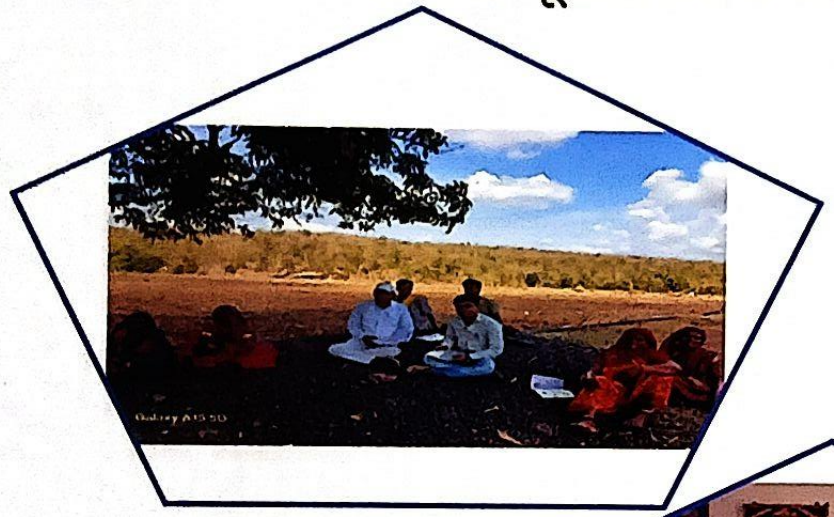

कक्षाओं का संचालन

बच्चो को विद्यालय में घर के जैसा माहोल प्रदान करके आसपास के परिवेश से जोडते हुए टीएलएम व सर्मध्द वातावरण प्रदान कर शिक्षण कार्य किया जाता है जिससे बच्चे सरल तरीके से अपने ज्ञान में वृध्दि कर पाते है। मै एक नवनियुक्त प्राथमिक शिक्षक हूॅ, शुरु में मुझे पढाने मे बहुत कठिनाईयों का अनुभव हुआ क्योंकि आदिवासी क्षेत्र में भाषा की समस्या रहती है। बच्चे आदिवासी भाषा में बात करते है , जब मैंने बच्चो के साथ बहुभाषीय कक्षाओं का संचालन किया बच्चे मेरी भाषा को आसानी से समझने लगे तुा मुझे भी प्रसन्नता का अनुभव हुआ जब बच्चो से नीचे फर्श पर अल्फाबेट एवं हिन्दी के वर्ण,गिनती इत्यादी लिखकर गतिविधियॉ कराई जिससे की आसानी से समझने लगे इसी तरह अनेक प्रकार की रोचक एवं आर्कषक चार्ट पोस्टर आदि से विद्यालय का आकर्षक वातावरण निर्मित करवाया।

स्टेशनरी

शाला में स्टेशनरी का शिक्षको के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों द्वारा संचालन किया जाता है ,
जिससे की विद्यार्थियों को आवश्यक शिक्षण सामग्री प्राप्त होती रहे....

त्योहारो का आयोजन

बच्चो पालको के उत्साह हेतू शिक्षको द्वारा त्योहारो का आयोजन कर सभी का आत्मविश्वास बढाये जाने हेतु त्योहार मनायें जाते हैं जैसे , जन्मदिवस, धार्मिक त्योहार, राष्ट्रीय त्योहार.....

विद्यालय का गौरव

विद्यालय में बच्चो द्वारा राज्य स्तरीय ओलंपियाड परीक्षा में चयन और शाला ग्राम पंचायत स्तर पर होने वाले विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शण कर पुरुष्कार प्राप्त किया जाता है , जिला स्तर पर डाईट द्वारा प्रकाशित पुस्तक क्षितिजा में भी शाला का नाम और शिक्षक रामभरोस उईके का नाम अच्छे कार्य के लिए प्रकाशित किया गया।

हरदा पत्रिका

सही हिंदी बोलना और लिखना सिखा रहे शिक्षक

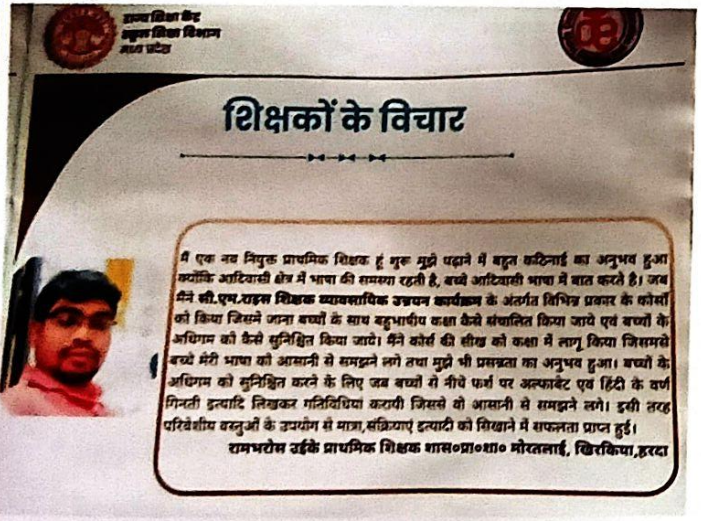

नवाचार

आदिवासी बाहुल्य होने के कारण विद्यालय के अधिकतर बच्चो की मातृभाषा बोली गोंडी है जिसे शिक्षको ने भी सीखा एवं बच्चो को इस भाषा की सहायता से शिक्षा प्रदान करते है !

स्कूल का नाम-शा.प्रा.शाला मोरतलाई

आपका हार्दिक धन्यवाद करता है !